



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

पंजाब मेसरी

दिनांक ।.५.।.५.।.२०२।...पृष्ठ संख्या.....२.....कॉलम.....२०५.....

‘देश के चहुंमुखी विकास के लिए महिलाओं की उन्नति जरूरी : सांसद दुग्गल’

■ एच.ए.यू. में महिला
सशक्तिकरण ने डॉ.
अंबेदकर की भूमिका
विषय पर वैबिनार ने
विदेशी ने एक्स विचार

हिसार, 13 अप्रैल (पंकेस):
डॉ. भीमराव अंबेदकर महिलाओं
की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे।
उनका मानना था कि किसी भी
समाज का मूल्यांकन महिलाओं की
उस समाज में मौजूदा स्थिति से
किया जा सकता है। उनके अनुसार
जब तक महिलाओं का समर्चित
विकास नहीं होता तब तक कोई भी
देश चहुंमुखी विकास नहीं कर
सकता। उक्त विचार सिरसा
लोकसभा क्षेत्र से सांसद सुनीता
दुग्गल ने बतौर मुख्यातिथि कहे।
वै चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि



वैबिनार के दौरान संबोधित करते मुख्यातिथि एवं मौजूद अन्य।

विश्वविद्यालय हिसार की नेहरू
लाइब्रेरी में डॉ. भीमराव अंबेदकर
की 130वीं जयंती के उपलक्ष्य में
आयोजित एक ऑनलाइन वैबिनार
को संबोधित कर रही थी।
वैबिनार का मुख्य विषय भारत
में महिला सशक्तिकरण में डॉ.
भीमराव अंबेदकर की भूमिका रखा
गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता
कुलपति प्रो. समर सिंह, जबकि भगत
फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय
खानपुर (सोनीपत) की कुलपति

और त्याग से ही प्राप्त हो सकती
है। भगत फूल सिंह महिला
विश्वविद्यालय खानपुर की कुलपति
प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि डॉ.
भीमराव अंबेदकर की संविधान प्रारूप
समिति के अध्यक्ष के रूप में संविधान
निर्माताओं में अहम भूमिका थी।
संविधान में सभी नागरिकों को बराबर
का हक दिया गया है।

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट
की वकील कुमारी अक्षरा महला
ने डॉ. अंबेदकर द्वारा महिला उत्थान
के लिए बनाई गई नीतियों पर
प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के
कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने
सभी मुख्यातिथियों व प्रतिभागियों
का स्वागत किया। वैबिनार के
संयोजक सचिव पुस्कालयाध्यक्ष
डॉ. बलवान सिंह ने बताया कि
वैबिनार में लगभग 200 प्रतिभागी
शामिल हुए। कार्यक्रम का संयोजन
डॉ. रवि गुप्ता व डॉ. सीमा परमार
द्वारा किया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..

સુરત માટે

दिनांक १५.४.२०२१ पृष्ठ संख्या २ कॉलम ५६

देश के विकास के लिए महिलाओं का समर्हित विकास जरूरी : सांसद

महिला सशक्तिकरण में डॉ. अंबेडकर की भूमिका पर हुआ वेबिनार

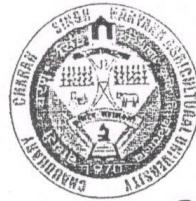
भारतकर्न न्यूज. हिसार

डॉ. भीमराव अंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका मानना था कि किसी भी समाज का मूल्यांकन महिलाओं की उस समाज में मौजूदा स्थिति से किया जा सकता है। उनके अनुसार जब तक महिलाओं का समृच्छित विकास नहीं होता, तब तक कोई भी देश चहुंमुखी विकास नहीं कर सकता। उक्त विचार सिरसा लोकसभा क्षेत्र से सांसद सुनीता दुग्गल ने बतौर मुख्यालिथि कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार की नेहरू लाइब्रेरी में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 130वर्षीय जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित ऑनलाइन वेबिनार को संबोधित कर रही थीं।

वेबिनार का मुख्य विषय भारत में महिलाओं सशक्तिकरण में डॉ. भीमराव अंबेडकर की भूमिका रखा गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की जानकारी भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर (सोनीपत) की कुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव विशिष्ट अतिथि मौजूद रहीं। एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि डॉ. अंबेडकर



महिलाओं की उत्तमता के प्रबल पक्षधर थे। भगत फूल सिंह महिला विवि खानपर (सोनीपत) की कुलपति प्रौ. सुषामा यादव ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर की संविधान प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में संविधान निर्माताओं में अहम भूमिका थी। संविधान में सभी नागरिकों को बाबाबर का हक दिया है। इस अवसर पर एचएयू के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज, वेबिनार के संयोजक सचिव पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह, कार्यक्रम का संयोजन डॉ. रवि गुप्ता व डॉ. सीमा परमार, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर चेरय के चेरयमैन डॉ. राजवीर सिंह मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अभिभावक
दिनांक .15.5.2021...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....1-3.....

महिलाओं का समुचित विकास जरूरी : दुग्गल

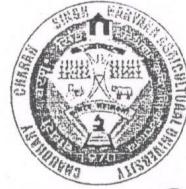
माई स्टी रिपोर्टर

हिसार। डॉ. भीमराव आंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका मानना था कि किसी भी समाज का मूल्यांकन महिलाओं की उस समाज में मौजूदा स्थिति से किया जा सकता है। उनके अनुसार जब तक महिलाओं का समुचित विकास नहीं होता तब तक कोई भी देश चहुंमुखी विकास नहीं कर सकता। यह बात सिरसा लोकसभा क्षेत्र की भाजपा सांसद सुनीता दुग्गल ने कही।

वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी में डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में महिला सशक्तीकरण में डॉ. आंबेडकर की भूमिका विषय पर वेबिनार में खेल विशेषज्ञों ने विचार

में मंगलवार को आयोजित वेबिनार को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थीं। वेबिनार का मुख्य विषय भारत में महिला सशक्तीकरण में डॉ. भीमराव आंबेडकर की भूमिका था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. समर सिंह ने की, जबकि भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर (सोनीपत) की कुलपति प्रो. सुषमा यादव विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल हुईं। कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि डॉ. आंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका दृढ़ विश्वास था कि महिलाओं की उन्नति तभी संभव होगी, जब उन्हें घर परिवार और समाज में बराबरी का दर्जा मिलेगा। प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर ने संविधान में सभी नागरिकों को बराबर का हक दिया। इस अवसर पर एडवोकेट कुमारी अश्वरा महला, कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज, पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह, डॉ. रवि गुप्ता, डॉ. सीमा परमार, डॉ. राजवीर सिंह आदि भी शामिल रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सुन्दरी.....

दिनांक १५. ६. २०२१ पृष्ठ संख्या.....— कॉलम.....—

देश के चहुंमुखी विकास के लिए महिलाओं का समुचित विकास जरुरी : दुग्गल

सच कहू/संवीप सिंहदार
हिसार। डॉ. भीमराव अंबेडकर महिलाओं की
उन्नति के प्रबल पश्चात्य है। उनका मानना था
कि किसी भी समाज का
मूल्यांकन महिलाओं
की उस समाज में
मौजूदा स्थिति से किया
जा सकता है। उनके
अनुमान जब तक
महिलाओं का समुचित
विकास नहीं होता तब तक कोई भी देश
चहुंमुखी विकास नहीं कर सकता।

यह बात सिरसा की सांसद सुनीता दुग्गल
ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहर
लाइब्रेरी में डॉ. भीमराव अंबेडकर, की
१३०वीं जयती के उपलक्ष्य में आयोजित एक
ऑफलाइन वेबिनार को संबोधित करते हुए



कही। वेबिनार का मुख्य विषय भारत में
महिला सशक्तिकरण में डॉ. भीमराव
अंबेडकर की भूमिका रखा गया था। कार्यक्रम
को अञ्जश्वता कुलपति प्रो. समर सिंह ने की
जबकि भगत फूल सिंह महिला
विश्वविद्यालय खानपुर (सोनीपत) की
कुलपति प्रो. सुषमा यादव विशिष्ट अतिथि
थीं। मुख्य अतिथि ने कहा कि डॉ. अंबेडकर
का महिलाओं के संगठन में अत्यधिक
विभास था। उनका कहना था कि यदि
महिलाएं एकजुट हो जाएं तो समाज को
सुधारने से कोई नहीं रोक सकता। वे हमेशा
महिलाओं और बच्चों की शिक्षा के पक्षधर
थे। इसलिए उनका कहना था कि बच्चों के
दिमाग में ये बात डालिए कि महानता उनकी
निवाति है और महानता केवल संघर्ष और
त्याग से ही प्राप्त हो सकती है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....जनभाव

दिनांक ।.५.।.५.।.२-२।.पृष्ठ संख्या.....— कॉलम.....—

महिला सशक्तिकरण में अंबेडकर की भूमिका विषय पर वेबिनार आज

हिमार, (जगमर्ग न्यूज़); हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू वाइंडोर में डॉ. भीमराव अंबेडकर की १३०वीं जयती के उपलक्ष्य में १३ अप्रैल को वेबिनार का आयोजन किया जाएगा। पुस्कलनगरायश्वर डॉ. बनकरन मिह ने बताया कि इम श्रेदनार का मूल्य उद्देश्य भारत में महिला सशक्तिकरण में डॉ. भीमराव अंबेडकर की भूमिका होगा। उन्होंने बताया कि अंबेडकर मालिम में आयोजित इस वेबिनार का आयोजन कुलपति गौर मध्यन मिह के मार्गदर्शन में किया जाएगा। कार्यक्रम में मिर्सा को मध्यन मूर्ति द्वारा मुख्यातिथि अवृत्ति घोषित कृतिमिह महिला विश्वविद्यालय यानपुर (मोनीपुर) को कुलपति मूर्सा यात्रा विशिष्ट अंतर्गत होगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आज समाज	13.04.2021	--	--

देश के चहुंमुखी विकास के लिए महिलाओं का समुचित विकास जरूरी : सांसद सुनीता दुर्गल

आज समाज नेटवर्क

हिसार। डॉ. भीमराव अंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका मानना था कि किसी भी समाज का मूल्यांकन महिलाओं की उस समाज में मौजूदा स्थिति से किया जा सकता है। उनके अनुसार जब तक महिलाओं का समुचित विकास नहीं होता तब तक कोई भी देश चहुंमुखी विकास नहीं कर सकता।

उक्त विचार सिरसा लोकसभा क्षेत्र से सांसद सुनीता दुर्गल ने बतौर मुख्यांतिथि कहा। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार की नेहरू लाइब्रेरी में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 130वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित एक ऑनलाइन वेबिनार को संबोधित कर रही थी।

महिलाओं को हक दिलाना चाहते थे डॉ. अंबेडकर : प्रोफेसर समर सिंह

सभी को दिलाया बराबर का हक

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर (सोनीपत) की कुलपति प्रोफेसर सुपमा यादव ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर की सविधान प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में सविधान निमार्ताओं में अहम भूमिका थी। सविधान में सभी नागरिकों को बराबर का हक दिया गया है। सविधान के अनुच्छेद 14 में यह प्रावधान है कि किसी भी नागरिक के साथ लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता। आजादी मिलने के साथ ही महिलाओं की रिश्ति में सुधार शुरू हुआ। आजाद भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में उन्होंने महिला सशक्तीकरण के लिए कई कदम उठाए।

वेबिनार का मुख्य विषय भारत में महिला सशक्तीकरण में डॉ. भीमराव अंबेडकर की भूमिका रखा गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की जबकि भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर(सोनीपत) की कुलपति था कि यदि महिलाएं एकजुट हो जाएं तो समाज को सुधारने से कोई नहीं रोक सकता। वे हमेशा महिलाओं और बच्चों की शिक्षा के पक्षधर थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
इलाइस्टर	13.04.2021	--	--

देश के चहुंमुखी विकास के लिए महिलाओं का समुचित विकास जरूरी : सांसद सुनीता दुग्गल

हैलो हिमार न्यूज़

हिसार : डॉ. भीमराव अंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका मानना था कि किसी भी समाज का मूल्यांकन महिलाओं की उस समाज में मौजूदा स्थिति से किया जा सकता है। उनके अनुसार जब तक महिलाओं का समुचित विकास नहीं होता तब तक कोई भी देश चहुंमुखी विकास नहीं कर सकता। उक्त विचार सिरसा लोकसभा क्षेत्र से सांसद सुनीता दुग्गल ने बतौर मुख्यांतिथ कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार की नेहरू लाइब्रेरी में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 130वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित



एक ऑनलाइन वेबिनार को महिलाओं को हक दिलाना संबोधित कर रही थी। वेबिनार : का मुख्य विषय भारत में महिला सशक्तिकरण में डॉ. भीमराव अंबेडकर की भूमिका रखा गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की जबकि भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव ने कहा कि डॉ. अंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका दृढ़ विश्वास था कि महिलाओं की उन्नति तभी संभव होगी जब उन्हें घर परिवार और समाज में बराबरी का दर्जा

अतिथि मौजूद रहीं। मुख्यांतिथ ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का महिलाओं के संगठन में अत्यधिक विश्वास था।

एचायू में महिला सशक्तिकरण में डॉ. अंबेडकर की भूमिका विषय पर वेबिनार में रखे विशेषज्ञों ने विचार मिलेगा। शिक्षा और आर्थिक तरकी उन्हें सामाजिक बराबरी दिलाने में मदद करेगी।

सभी को दिलाया बराबर का हक : प्रोफेसर सुषमा यादव भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर (सोनीपत) की कुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर की संविधान प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में संविधान निर्माताओं में अहम भूमिका थी। संविधान में सभी नागरिकों को बराबर का हक दिया गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल्पल - न्यूज़	13.04.2021	--	--

देश के छहुंमुखी विकास के लिए महिलाओं का समुचित विकास जरूरी: सुनीता दुग्गल

पल पल न्यूज़: हिसार, 13 अप्रैल। डॉ. भीमराव अंबेडकर महिलाओं की उत्तिके प्रबल पश्चात्रथे। उनका मानना था कि किसी भी समाज का मूल्यांकन महिलाओं की उस समाज में मौजूदा स्थिति से किया जा सकता है। उनके अनुसार जब तक महिलाओं का समुचित विकास नहीं होता तब तक कोई भी देश चहुंमुखी विकास नहीं कर सकता। उक्त विचार सिरसा लोकसभा क्षेत्र से सांसद सुनीता दुग्गल ने बताई मुख्यातिथि कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार की नेहरू लाइब्रेरी में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 130वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित एक ऑनलाइन वेबिनार को संबोधित कर रही थी। वेबिनार का मूल्य विषय भारत में महिला सशक्तिकरण में डॉ. भीमराव अंबेडकर की भूमिका रखा गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर समर मिंह ने की



जबकि भगत फूल सिंह महिला से ही प्राप्त हो सकती है। विश्वविद्यालय खानपुर (सोनीपत) की कुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने सभी नागरिकों को बराबर का हक दिया गया है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की बकाल कुमारी अक्षरा महला ने डॉ. अंबेडकर द्वारा महिला उत्थान के लिए बनाई गई नीतियों पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. वी.आर. कंबोज ने सभी मुख्यातिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया। वेबिनार के संयोजक सचिव पुस्कलयाध्यक्ष डॉ. बलजान सिंह ने बताया कि वेबिनार में लगभग 200 प्रतिभागी शामिल हुए। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. रवि गुप्ता व डॉ. सीमा परमार द्वारा किया गया। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अध्यक्षता एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर चेयर के चैयरमैन डॉ. राजकीर सिंह ने सभी का धन्यवाद किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति २०२१	13.04.2021	--	--

देश के चहुंमुखी विकास के लिए महिलाओं का समुचित विकास जरूरी : सांसद सुनीता दुग्गल

हिसार, (नित्य शक्ति टाइम्स) : डॉ. भीमराव अंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका मानना था कि किसी भी समाज का मूल्यांकन महिलाओं की उस समाज में मौजूदा स्थिति से किया जा सकता है। उनके अनुसार जब तक महिलाओं का समुचित विकास नहीं होता तब तक कोई भी देश चहुंमुखी विकास नहीं कर सकता। उक्त विचार सिरसा लोकसभा क्षेत्र से सांसद सुनीता दुग्गल ने बताई चुन्यातिथि कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार की नेहरू लाइब्रेरी में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 130वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित एक ऑनलाइन वेबिनार को संबोधित कर रही थी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की जबकि भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर (सोनीपत) की कुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव विशिष्ट अतिथि मौजूद रहीं। मुख्यातिथि ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का महिलाओं के संगठन में अत्यधिक विश्वास था। उनका कहना था कि यदि महिलाएं एकजुट हो जाएं तो समाज को सुधारने से कोई नहीं रोक सकता। वे हमेशा महिलाओं और बच्चों की शिक्षा के पक्षधर थे। इसलिए उनका कहना था कि बच्चों के दिमाग में ये बात डालिए कि महानता उनकी नियति है और महानता केवल संघर्ष और त्याग से ही प्राप्त हो सकती है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने अपने

संबोधन में कहा कि डॉ. अंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका दृढ़ विश्वास था कि महिला उन्नति तभी संभव हो ब्रह्म घर परिवार और समाज में बराबरी का दर्जा मिलेगा। शिक्षा और आर्थिक तरक्की उन्हें सामाजिक बराबरी दिलाने में मदद करेगी। उनका मानना था कि शिक्षा महिलाओं के लिए भी उतनी ही जरूरी है जितनी की पुरुषों के लिए। यदि आपको लिखना-पढ़ना आता है, तो समाज में आपका उद्धार संभव है। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. रवि गुप्ता व डॉ. सीमा परमार द्वारा किया गया। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर चेयर के चैयरमैन डॉ. राजवीर सिंह ने सभी का धन्यवाद किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैरभाणा २५	13.04.2021	--	--

देश के चहुंमुखी विकास के लिए महिलाओं का समुचित विकास जरूरी : सुनीता दुग्गल

एचएयू में महिला सशक्तिकरण में डॉ. अंबेडकर की भूमिका विषय पर वेबिनार में रखे विशेषज्ञों ने विचार

टुडे न्यूज़ | हिसार

डॉ. भीमराव अंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका मानना था कि किसी भी समाज का मूल्यांकन महिलाओं की उस समाज में मौजूदा स्थिति से किया जा सकता है। उनके अनुसार जब तक महिलाओं का समुचित विकास नहीं होता तब तक कोई भी देश चहुंमुखी विकास नहीं का सकता। उनका विचार सिरसा लोकसभा क्षेत्र से सांसद सुनीता दुग्गल ने बताया मुख्यातिथि कहे।

वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा की विश्वविद्यालय हिसार की नेहरू लाइब्रेरी में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 130वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित एक अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार को संबोधित कर रही थीं। वेबिनार का मुख्य विषय भारत में महिला सशक्तिकरण में डॉ. भीमराव अंबेडकर की भूमिका रखा गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की जबकि कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. अंबेडकर



वेबिनार के दौरान संबोधित करते मौजूद अन्य।

खानपुर(सोनीपत) की कुलपति महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। प्रोफेसर सुषमा यादव विशिष्ट अतिथि उनका दृढ़ विश्वास था कि महिलाओं की उन्नति तभी संभव होगी जब उन्हें अंबेडकर का महिलाओं के संगठन में घर परिवार और समाज में बराबरी अल्पिक विश्वास था। उनका कहना था कि यदि महिलाएं एकजुट हो जाएं तो समाज को सुधारने से कोई नहीं रोक सकता। वे हमेशा महिलाओं और वन्द्यों की शिक्षा के पक्षधर थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. अंबेडकर

सभी को दिलाया बराबर रा हक : सुषमा यादव

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खालीपुर (सोनीपत) की कुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव ने कहा कि डॉ.

भीमराव अंबेडकर की संविधान प्राप्ति समिति के अध्यक्ष के रूप में संविधान विभागों में अहम भूमिका थी।

संविधान में सभी नागरिकों को बराबर का हक दिया गया है। संविधान के अनुच्छेद 14 में यह प्राप्तान है कि

किसी भी नागरिक के साथ लिंग के आधार पर बीदर्भव नहीं किया जा सकता। आजादी मिलने के साथ

ही महिलाओं की स्थिति में सुधार

शुरू हुआ। आजाद भारत के पहले

काल्पन मंत्री के रूप में उन्होंने महिला

सशक्तीकरण के लिए कई कदम

उठाए। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी

महाविद्यालय के अधिभूता एवं डॉ.

भीमराव अंबेडकर धैर्य के दैयरमैन

डॉ. राजवीर सिंह ने सभी का

धन्यवाद किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज़	13.04.2021	--	--

एचएयू में महिला सशक्तिकरण में अंबेडकर की भूमिका विषय पर वेबिनार आज

पल पल न्यूज़: हिसार, 12 फरवरी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 130वीं जयंती के उपलक्ष्य में एक वेबिनार का आयोजन 13 अप्रैल को किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने बताया कि इस वेबिनार का मुख्य उद्देश्य महिला सशक्तिकरण में डॉ. भीमराव अंबेडकर की भूमिका होगा। उहोंने बताया कि ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस वेबिनार का आयोजन कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के मार्गदर्शन में किया जाएगा। कार्यक्रम में सिरसा लोकसभा क्षेत्र से सांसद सुनीता दुगल मुख्यातिथि जबकि भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपूर(सोनीपत) की कुलपति सुषमा यादव विशिष्ट अतिथि होंगी। इस वेबिनार का आयोजन जूम प्लेटफार्म पर होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीवन अध्ययन	13.04.2021	--	--

हिसार,

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 130वीं जयंती के उपलक्ष्य में 13 अप्रैल को वेबिनार का आयोजन किया जाएगा। पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने बताया कि इस वेबिनार का मुख्य उद्देश्य भारत में महिला सशक्तिकरण में डॉ. भीमराव अंबेडकर की भूमिका होगा। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस वेबिनार का आयोजन कुलपति प्रो. समर सिंह के मार्गदर्शन में किया जाएगा। कार्यक्रम में सिरसा की सांसद सुनीता दुगल मुख्यातिथि जबकि भगत फूलसिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर (सोनीपत) की कुलपति सुषमा यादव विशेष अतिथि होंगी। इस वेबिनार का आयोजन जूम प्लेटफार्म पर प्रातः 11 से दोपहर 1 बजे तक किया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२७ अप्रैल २०२१	13.04.2021	--	--

देश के चहुंमुखी विकास के लिए महिलाओं का समुचित विकास जरूरी : सुनीता दुग्गल

एचएयू में महिला सशक्तिकरण में डॉ. अंबेडकर की भूमिका विषय पर वेबिनार में रखे विशेषज्ञों ने विचार

एचआर ब्रैंचिंग न्यूज़

हिसार। डॉ. भीमराव अंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका मानना था कि किसी भी समाज का मूल्यांकन महिलाओं की उस समाज में मौजूदा स्थिति से किया जा सकता है। उनके अनुसार जब तक महिलाओं का सम्बूद्ध विकास नहीं होता तब तक कोई भी देश चहुंमुखी विकास नहीं कर सकता। उनके विचार सिरसा लोकसभा क्षेत्र से सोसद सुनीता दुग्गल ने बतार मुख्यालिंग कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार की नेहरू लाइब्ररी में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 130वीं जयंती के उपलक्ष्मि में आयोजित एक ऑनलाइन वेबिनार को संबोधित कर रही थी। वेबिनार को मुख्य विषय भारत में महिला सशक्तिकरण में डॉ. भीमराव अंबेडकर की भूमिका रखा गया था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि उनकी जबकि भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर (सारोंपत) की कुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव विश्वास अधिकारी मौजूद रही।

मुख्यालिंग ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का महिलाओं के संगठन में अल्पसंखक विश्वास था। उनका कहना था कि यदि महिलाएं एकजूट हो जाएं तो समाज को रुग्णाने से काढ़ नहीं सकता। ये हमेशा महिलाओं और बच्चों की शिक्षा के पक्षधर थे। इसलिए उनका कहना था कि बच्चों के द्वितीय बराबर का हक़ : प्रोफेसर सुषमा यादव



वेबिनार के दौरान संबोधित करते मुख्यालिंग एवं मौजूद अन्य।

महिलाओं को हक दिलाना चाहते थे डॉ. अंबेडकर : प्रोफेसर समर सिंह

हिसार। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने आपसे संबोधित में कहा कि डॉ. अंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रति प्रबल पक्षधर थे। उनका इह विश्वास था कि महिलाओं की उन्नति तभी संपन्न होगी जब उन्हें घर परिवार और समाज में बराबरी का दर्जा मिलेगा। शिक्षा और आर्थिक तत्वकी उन्हें सामाजिक बराबरी दिलाने में मदद करेगी। उनका मानना था कि शिक्षा महिलाओं के लिए भी उनकी ही जरूरी है जिनमें के पुरुषों के लिए। यदि आपको लिखना-पढ़ना आता है, तो समाज में आपका उद्घार संभव है। सभी को दिलाया बराबर का हक़ : सभी मायने में प्रजातंत्र तब आएगा जब महिलाओं को पैतृक संपत्ति में बराबरी का हिस्सा मिलेगा और उन्हें पुरुषों के समान अधिकार दिये जाएं। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की वकील कुमारी अकरा महल्ला ने डॉ. अंबेडकर द्वारा महिला उत्थान के लिए बनाई गई नीतियों पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. वी. आर. कंबोज ने सभी मुख्यालिंगों व प्रतिभागियों का स्वागत किया। वेबिनार के संयोजक सचिव, पुरुषालयालय डॉ. बदलवान सिंह ने बताया कि वेबिनार में लगभग 200 प्रतिभागी शामिल हुए। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. रवि गुप्ता व डॉ. सीमा परमार द्वारा किया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
14-पुस्तकालय समाचार	13.04.2021	--	--

इन्हें पढ़ने के लिए क्लिक करें



हिन्दुस्थान समाचार

581k Followers

हिसार: महिला सशक्तिकरण में अंबेडकर की
भूमिका विषय पर वेबिनार 13 को एचएयू में:
बलवान



12 Apr 2021 . 6:05 PM

हिसार, 12 अप्रैल (हि.स.)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की
नेहरू लाइब्रेरी में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 130वीं जयंती
के उपलक्ष्य में 13 अप्रैल को वेबिनार का आयोजन किया



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ठीनन् द्वाधा	13.04.2021	--	--

एचएयू में महिला सशक्तिकरण में अंबेडकर की भूमिका विषय पर वेबिनार 13 अप्रैल को

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 130वीं जयंती के उपलक्ष्य में एक वेबिनार का आयोजन 13 अप्रैल को किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने बताया कि इस वेबिनार का मुख्य उद्देश्य भारत में महिला सशक्तिकरण में डॉ. भीमराव



अंबेडकर की भूमिका होगा। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस वेबिनार का आयोजन कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के मार्गदर्शन में किया जाएगा। कार्यक्रम में सिरसा लोकसभा क्षेत्र से सांसद सुनीता दुगल मुख्यातिथि जबकि भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपूर(सोनीपत) की कुलपति सुषमा यादव विशिष्ट अतिथि होंगी। इस वेबिनार का आयोजन जूम प्लेटफार्म पर प्रातः 11 से दोपहर 1 बजे तक किया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
शाजी-गीत	13.04.2021	--	--

हरियाणा हिसार

देश के चहुंमुखी विकास के लिए महिलाओं का समुचित विकास जरूरी : सांसद सुनीता दुग्गल

By Rajniti News Admin

